पाठ 12

ऊँट चला

ऊँट	बोझ	फँसेगा
ऊँचा	गर्दन	करवट

ऊँट चला भई, ऊँट चला
हिलता–डुलता ऊँट चला।

इतनी लंबी टाँगों वाला
ऊँची लंबी गर्दन उसकी।

ऊँची गर्दन, ऊँची पीठ,
पीठ उठाए, ऊँट चला।

बालू है तो होने दो,
बोझ ऊँट को ढोने दो।

नहीं फँसेगा बालू में,
बालू में भी ऊँट चला।

जब थककर बैठेगा ऊँट,
किस करवट बैठेगा ऊँट?

बता सकेगा कौन भला?
ऊँट चला भई, ऊँट चला।

शिक्षण संकेत – कविता को लयपूर्वक गाएँ और बच्चों को दुहराने को बोलें। अपरिचित शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। चंद्रबिंदु वाले शब्दों का उच्चारण करना सिखाएँ।

शब्दार्थ

भई – भाई बालू – रेत

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

गर्दन, करवट, ऊँचा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. ऊँट की गर्दन कैसी होती है?

ख. लंबी टाँगों वाले अन्य जानवर कौन–कौन–से हैं?

ग. ऊँट किस तरह की भूमि में भी चल सकता है?

घ. ऊँट की पीठ की बनावट कैसी होती है?

ड. ऊँट किस काम आता है?

च. सवारी के काम आने वाले जानवरों के नाम बताओ।

छ. यदि तुम्हारे घर ऊँट होता तो उससे तुम क्या–क्या काम लेते?

3. ऊँट से ऊँचे व छोटे चीजों तथा जीवों के नाम लिखो –

ऊँचे	छोटे
पेड़	खरगोश
_____	_____
_____	_____

4. चंद्रबिंदु वाले तथा बिना चंद्रबिंदु वाले शब्दों को छाँटकर अलग–अलग लिखो।

पूँछ, फूल, ऊन, झूठ, ऊँच, ठूँठ, खूँट, छूट, धूप, ऊँट, आँसू।

चंद्रबिंदु वाले शब्द	बिना चंद्रबिंदु वाले शब्द
_____, _____	_____, _____
_____, _____	_____, _____
_____, _____	_____, _____

5. गतिविधि :–

1. ऊँट का चित्र पत्र – पत्रिकाओं से काटकर अलग करो और उसे अपने पोर्टफोलियो में लगाओ तथा ऊँट का चित्र बनाओ –

2. अपने बड़ों से या गुरुजी से पूछकर ऊँट की दो ऐसी विशेषताएँ बताओ जो उसे अन्य किसी भी जानवर से अलग करती हैं।

6. झटपट कविता पढ़कर मजा लो ।

कुछ ऊँट ऊँचा

कुछ पूँछ ऊँची

कुछ ऊँचे ऊँट की

पीठ ऊँची

''ऊँट'' शब्द जल्दी–जल्दी बोलकर देखो ।

जीभ लड़खड़ा गई न !

कैसी लगी कविता ? अब इस कविता को कोई नाम दो ।

ऊपर दी गई जगह में उसे लिखो।

7. बताओं इन्हें तुम्हारी भाषा में क्या कहते है पहचान कर नाम लिखो–

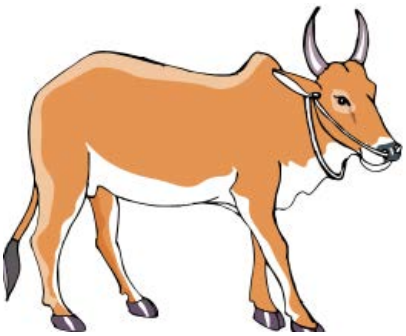

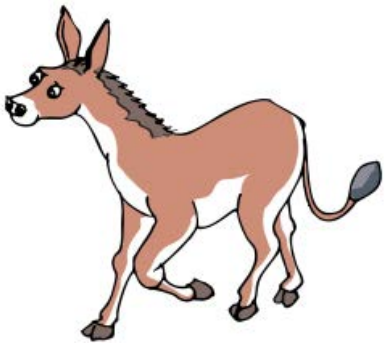

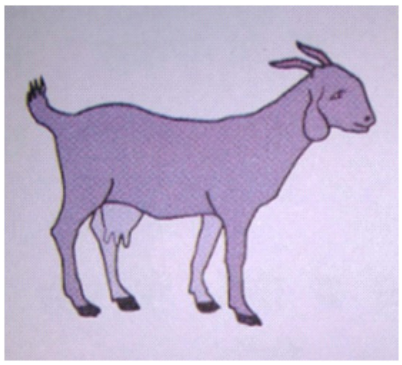

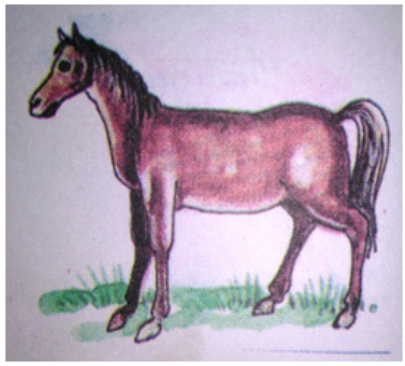

....

....

....

373KXK